Releasing Essential Commodities on Festivals

2264. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION be pleased to state:

(a) whether allocation of essential commodities like sugar and wheat are increased during festivals;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the details of the release of such commodities during festivals to Karnataka for the year 1995-96?

THE MINISTER OF FOOD AND MINISTER OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI DEVENDRA PRASAD YADAV): (a) and (b) Allocation of levy sugar under PDS is increased during festival season. However, no increase in allocation is made for other commodities. Government releases about one lakh tonnes of sugar per annum as festival quota which is allocated to States/UTs in proportion to their monthly quota in the month (s) of their choice. However, taking into consideration the availability of levy sugar during 1994-95 and 1995-96 sugar season and also the demand of States/UT for higher allocations of levy sugar, Government had doubled the festival quota for the calender year, 1996.

(c) Karnataka Government was allotted 5350 MT and 10700 MT of sugar during the calender years 1995 and 1996 respectively as festival quota.

सी०सी०एल० की परिवहन व्यवस्था के कारण फालतू हुए मजदूर

2265. **श्री ज्ञान रंजन: क्या कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि **सी०सी०एल० की परिवहन** व्यवस्था के चलते लगभग **तेरह-चौदह हजार मजदूर** फालतू हो गए हैं;

(ख) क्या सी०सी०एल० में कार्यरत मजदूर सी०सी० एल० के ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए लदाई कार्य में लगे हुए हैं और इस प्रकार करोड़ों रुपए की लूट हो रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त भागों के उत्तर "हां" में हो तो क्या सरकार ठेकेदारी प्रणाली को बंद करेगी और क्या वह लदाई कार्य सी०सी०एल० के मजदूरों से कराने का विचार रखती है, जैसे कि पहले किया जा रहा था; और

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं?

कोयला मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती कान्ति सिंह): (क) जी, नहीं।

(ख) जी, नहीं।

(ग) और (घ) प्रश्न ही नहीं उठता।

भूमिगत कोयला खानों से कोयले का खनन

2266. **श्री ज्ञान रंजन: क्या कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सी०सी०एल० को भूमिगत खानों से सर्वोत्तम गुणवत्ता का कोयला प्राप्त होता है;

(ख) क्या यह भी सच है कि प्रबंधन की दोषपूर्ण नीति के कारण भूमिगत खानों से कोयले का खनन नहीं किया जाता और **खुले मुंह वाली खदानों पर ज्यादा जोर** दिया जाता है, जिसके **परिणामस्वरूप अरबों रुपए की** मशीनें हजारों डम्पर और बेल्चे (शावेल) बेकार पड़े हुए हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त भागों का उत्तर "हां" में हो तो सरकार भूमिगत खदानों से कोयला प्राप्त करने हेतु क्या उपाय करना चाहती है; और

(घ) क्या सरकार दोषी प्रबंधन को दण्डित करने का विचार रखती है; यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं?

कोयला मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती कान्ति सिंह): (क) जी, नहीं। सेंट्रल कोलफील्ड्स लि० के कमांड क्षेत्र के ओपनकास्ट खानों में भी अच्छी गुणवत्ता वाला कोयला उपलब्ध है।

(ख) कोयले के भंडार के दोहन संबंधी पद्धति का चयन किए जाने के लिए निम्न का दृष्टिगत किया जाता है — भूगर्भीय परिस्थितियों, प्रौद्योगिकी-आर्थिक पहलू तथा कोयले की मांग को दृष्टिगत किया जाता है।